>

Title: Need to provide safe drinking water and toilet facilities separately for boys and girls in all schools in the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज) : देश के करीब तीन करोड़ स्कूली बच्चों को शौचालय की सुविधा आज भी उपलब्ध नहीं है जबकि हाल के वर्षो में शौचालय सुविधाओं को लेकर काफी जागरूकता आयी है और स्कूलों ने इस कमी को दूर करने के लिए काफी प्रयास किए हैं। स्कूलों में शौचालय नहीं होने की स्थिति में बच्चों को काफी असुविधा होती है खासकर छात्राओं के लिए यह चिंता का विषय है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनीसेफ द्वारा वाश कार्यक्रम के तहत कराये गये एक अध्ययन के मुकाबले आज भी 60 फीसदी स्कूलों में ही छात्राओं के लिए अलग शौचालयों की व्यवस्था उपलब्ध है यही वजह है कि स्कूल लड़कियों को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। यूनीसेफ के अध्ययन से यह बात भी सामने आयी है कि जिन स्कूलों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध भी है उनमें से एक या दो ही प्रयोग करने लायक होते हैं। यूनीसेफ के आंकड़ों के अनुसार अभी भी देश के 10 फीसदी स्कूलो में पीने के पानी की सुविधा नहीं है। इसी प्रकार स्वच्छता संबंधी शिक्षा पर भी ध्यान नहीं दिया जाता है जबकि शिक्षा का अधिकार कानून के तहत स्वच्छ जल एवं छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग–अलग शौचालयों की आवश्यकता की बात की गयी है। अतः मैं देश के सभी स्कूलों में शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत सुविधाओं को लागू करने की मांग करता हूं।